नवाफिल और तहज्जुद

मौलाना जलील अहसन नदवी रह.

राहे अमल हिन्दी.

‘नोट:- हदीष की रिवायत का खुलासा है.’

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

* बुखारी

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया कि अल्लाह फरमाता हे कि मेरा बन्दा अपने जिन कामो से मेरी नज़दीकी हासिल करता हे उनमे सबसे ज़्यादा मेहबूब काम वो हे जिन्को मेने उस्के उपर फर्ज़ किया हे और मेरा बन्दा नफलो के ज़रिये बराबर मुझसे करीब होता रहता हे, यहा तक्की वो मेरा मेहबूब बन जाता हे और जब मेरा मेहबूब बन जाता हे तो मे उस्का कान बन जाता हे जिस्से वो सुनता हे और उस्की आंख बन जाता हूं जिस्से वो देखता हे, और मे उस्का हाथ बन जाता हूं जिस्से वो पकडता हे, और उस का पैर बन जाता हूं जिस्से वो चलता हे. जो शख्स अल्लाह से नज़दीकी हासिल करना चाहता हे वो सबसे पहले अल्लाह के फर्ज़ किये हुये हुक्मो (आदेशो) पर

अमल करने की फिकर करता हे, फिर इतने ही पर बस नही करता बल्की वो खुद बखुद अल्लाह की मुहब्बत की ज़्यादती की वजह से नफ्ल नमाजो और नफ्ली रोज़ो और नफ्ल सदका (दान) और दूसरे नेकी के काम करता रहता हे, यहा तक्की वो अल्लाह का मेहबूब बन जाता हे जिस्के मतलब ये हे कि उस्के ज़िस्म व जान की सारी कुव्वतो और सलाहियतो को अल्लाह अपनी हिफाज़त व निगरानी मे ले लेता हे, अब उस्की आंख, कान, हाथ पैर और उस्की सारी कुव्वते अल्लाह को खुश करने मे लग जाती हे और शैतान उस्की कुव्वतो का कोयी हिस्सा नही पाता.

* बुखारी, रावी हज़रत उम्मे सलमा रदी.

एक रात रसूलुल्लाहﷺ सोकर उठे और फरमाया पाक हे अल्लाह की जात, ये रात कितने फितनो से भरी हुई हे जिनसे बचने की फिकर करनी चाहिये और ये रात अपने अन्दर कितने खज़ाने रखती हे यानी रहमत के खज़ाने जिन्को समेटना चाहिये. इन परदो मे रहने वालियो को कौन जगाये? बहुत से लोग हे जिन्का ऐब इस दुनिया मे छुपा हुवा हे और

आखिरत मे उन्का परदे हट जायेगा. इस हदीस से मालूम हुवा कि आपﷺ अपनी बीवियो को तहज्जुद के लिये उठने पर उभारते थे और उनसे केहते थे कि अल्लाह की रहमत का खज़ाना समेटने की फिकर करो दुनिया मे तुम नबी की बीवी केहलाती हो और तुम्हे इस पहलू से उंचा मकाम हासिल हे लेकिन अमल न करोगी तो अल्लाह के यहा ये कुछ काम नही आयेगा, काम अगर आयेगा तो तुम्हारा अमल काम आयेगा, नबी की बीवी होना वहा काम न आयेगा.

* मुस्लिम, रावी हज़रत अबूज़र गिफारी रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया कि अल्लाह तआला फरमाता हे जो शख्स मुझसे बालिश्त भर करीब होता हे मे उससे एक हाथ करीब होता हूं और जो मेरी तरफ एक हाथ बढता हे मे उस्की तरफ दो हाथ बढता हूं, और जो मेरे पास पैदल चलकर आता हे मे उस्की तरफ दौड कर आता हूं. मतलब ये हे कि जो शख्स अपने इरादा व इख्तीयार से अल्लाह की राह पर चलने का इरादा कर लेता हे तो अल्लाह का उस्के साथ मामला ये होता हे कि उस्के उस सफर को आसान कर देता हे, बन्दा उस्की

तरफ लपकता हे तो चूंकि उस्के अन्दर कमज़ोरी हे इसलिये अल्लाह तआला उसपर शफकत करता हे और बढकर उस्को अपने से करीब कर लेता हे, जैसे कि बच्चा अपने बाप की तरफ लपकता हे लेकिन अपनी कमज़ोरी की वजह से नही पोहच पाता तो बाप उस्की तरफ दौड कर आता हे और उसे गोद मे उठा लेता हे और अपने सीना मे चिमटा लेता हे.

* बुखारी व मुस्लिम, रावी हज़रत अली रदी.
रसूलुल्लाहﷺ एक रात तहज्जुद के वकत हमारे घर तशरीफ लाये और मुझसे और हज़रत फातिमा (रदी) से कहा, क्या तुम दोनो तहज्जुद की नमाज़ नही पढते. इस हदीस का खास सबक ये हे कि ज़िम्मेदार और बडे लोगो को चाहिये कि वो अपने मातहत लोगो को तहज्जुद पर उभारे.

* बुखारी व मुस्लिम, रावी हज़रत अब्दुल्लाह रदी. (अमर बिन अल आस के बेटे)
रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया ऐ अब्दुल्लाह तुम उस शख्स की तरह न हो जाना जो तहज्जुद के लिये उठता था फिर उसने

उठना छोड दिया.

* बुखारी व मुस्लिम, रावी मसरूक रह ताबई.
मेने हज़रत आयशा (रदी) से पूछा कि रसूलुल्लाहﷺ को किस तरह का अमल ज़्यादा पसन्द था? उन्होने जवाब दिया वो काम जिस को पाबन्दी से किया जाये आपﷺ को ज़्यादा पसन्द था मेने पूछा कि आपﷺ रात मे किस वकत (तहज्जुद के लिये) उठते थे? हज़रत आयशा (रदी) ने जवाब दिया कि आप उस वकत उठते जिस वकत मुर्ग आवाज़ देता हे. (यानी रात के आखिर मे).

* बुखारी व मुस्लिम, रावी हज़रत अबू हुरैरा रदी.
रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया कि जब रात का एक तिहाई हिस्सा बाकी रेह जाता हे तो अल्लाह तआला इस नज़र आने वाले आसमान पर आता हे और बन्दो को बुलाता हे, केहता हे कि कौन मुझे पुकारता हे कि उस्की मदद को दौडू? कौन मुझसे मांगता हे कि उसे दू? कौन मुझसे माफी मांगता हे कि उसे माफ कर दू?